जबलपुर | शुक्रवार | 16 जनवरी 2026 | वर्ष 76 | अंक 343 | पृष्ठ 12 | मूल्य रु. 5.00
navabharat.com twitter.com/Nava_Bharat fb.me/NavaBharat.Social

नव भारत
1934 से
जबलपुर 77 वां वर्ष संस्करण

AI क्षेत्र में प्रदेश नया अध्याय लिखेगा : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार एआई को नागरिक-केंद्रित, पारदर्शी और कुशल शासन की आधारशिला के रूप में स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। एआई आधारित प्रशासनिक व्यवस्था और प्रबंधन, तकनीक-प्रौद्योगिकी और अकादमिक क्षेत्र में एआई आधारित नवाचार विकसित भारत- 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में प्रभावी रूप से सहायक होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हर क्षेत्र में भारत को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रहे हैं। मध्यप्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण का अध्ययन केंद्र और शंकराचार्य जी की साधना का केंद्र भी है। राज्य सरकार मानवीय संवेदनाओं के साथ आगे बढ़ रही है। राज्य सरकार सभी विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए एआई का उपयोग कर रही है। एआई वर्तमान समय में शासन, उद्योग और समाज के लिए एक परिवर्तनकारी शक्ति है। हमारा राज्य जल्द ही एआई नीति भी लाएगा और एआई के लिए मिशन मोड पर व्यापक रूप से कार्य किया जाएगा। प्रदेश के माइनिंग और हेल्थ सेक्टर में एआई के उपयोग की बड़ी संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश अपार संभावनाओं वाला राज्य है, जिसमें आगे बढ़ने की पर्याप्त क्षमता है। विकसित भारत के लक्ष्य प्राप्ति में हमारी सरकार हर कदम पर प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को भोपाल के ताज लेक फ्रंट में 'मध्यप्रदेश रीजनल एआई इम्पैक्ट कांफ्रेंस-2026' का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एआई लिटरेसी मिशन के तहत फ्यूचर स्किल्स फॉर एआई पावर्ड भारत के लिए कौशल रथ को झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश स्पेस टेक नीति-2026 लांच की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में विभिन्न समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का आदान-प्रदान हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन सिंहस्थ-2028 के संचालन के लिए आयोजित उज्जैन महाकुंभ हैकाथॉन और मध्यप्रदेश इनोटेक प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया। अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संजय दुबे ने 'एआई फॉर पीपल, प्लेनेट एंड प्रोग्रेस-मध्यप्रदेश रोडमैप टू इंपैक्ट' पर राज्य का प्रमुख एआई विजन प्रस्तुत किया। एआई को राष्ट्रीय आंदोलन बनाने के उद्देश्य से एआई लिटरेसी मिशन के अंतर्गत आरंभ युवा एआई फॉर ऑल पर लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। एम.पी. राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड के महाप्रबंधक आशीष वशिष्ठ ने कॉन्फ्रेंस के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एमपीएसईडीसी प्रदेश में एआई इंफ्रॉस्ट्रक्चर स्थापित करने के लिए नोडल एजेंसी है।

मध्य प्रदेश संभावनाओ से भरा राज्य है। जिसमें बहुत तेज गति से आगे बढ़ने की क्षमता है। हमारी सरकार यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को आगे बढ़ाने के लिए कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ने के लिए कटिबद्ध है। मध्य प्रदेश सरकार का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि शासन, उद्योग और समाज के लिए एक परिवर्तनकारी शक्ति है, इसलिए राज्य एआई मिशन पर भी कार्य करेगा। यहां माइनिंग और हेल्थ के सेक्टर में एआई की बड़ी संभावना है।

मुख्यमंत्री की हरी झंडी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश रीजनल एआई इंपैक्ट कॉफ्रेंस 2026 के अंतर्गत एआई लिटरेसी मिशन के तहत फ्यूचर स्किल्स फॉर एआई पावर्ड भारत के लिए कौशल रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए.

मुख्यमंत्री का संबोधन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश रीजनल एआई इंपैक्ट कॉफ्रेंस 2026 को संबोधित करते हुए.

मुख्यमंत्री ने ली जानकारी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश रीजनल एआई इंपैक्ट कॉफ्रेंस 2026 का भोपाल में आयोजित प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन करते हुए.

मध्यप्रदेश स्टार्ट-अप

राज्य स्तरीय पुरस्कार विजेता

- सर्वश्रेष्ठ युवा उद्यमी कैटेगरी: सुश्री इशिता मोदी श्री वरुण रहेजा, श्री तेजस जैन,
- सर्वश्रेष्ठ महिला उद्यमी कैटेगरी: सुश्री राशि बहल मेहरा, डॉ. हिमांशा सिंह, सुश्री उर्वशी पोरवाल
- सर्वश्रेष्ठ ग्रोथ स्टार्ट-अप कैटेगरी में: श्री आरिफ कुरैशी, श्री सावन लड्ढा, सुश्री आरती एवं श्री गोविंद अग्रवाल
- अर्ली स्टेटस स्टार्ट-अप कैटेगरी: श्री पुल्ला क्रजवानी, श्री यश सेठिया, सुश्री श्रुति गर्ग
- बेस्ट इनोवेशन स्टार्ट-अप कैटेगरी: श्री भरत कृतवानी, श्री शुभम सिंह, श्री प्रतीक वत्स, श्री दीपेश श्रीवास्तव
- बेस्ट रुरल स्टार्ट-अप कैटेगरी: सुश्री वंदना मिश्रा, सुश्री आशी बिथरे, डॉ. विशेष कासलीवाल
- बेस्ट इंक्यूबेटर्स कैटेगरी: श्री रोनॉल्ड फर्नांडिस, डॉ. आकाश राय, डॉ. क्रिस्ट पॉल, डॉ. अनुराग राय

हैकेथॉन अवॉर्ड

- कोड इट कैटेगरी: विनर श्री राहुल राय, रनर-अप श्री जयेश टोटले
- बिल्ड इट कैटेगरी: विनर सुश्री मुस्कान खरे, रनर-अप सुश्री पलक रघुवंशी
- शिप इट कैटेगरी: विनर डॉ. निलय शर्मा, रनर-अप सुश्री सुनीता रघुवंशी

हमारे संस्कारों में उद्यमिता, नवाचार, व्यापार

नवाचारों को प्रोत्साहन हमारा संकल्प, युवा ही देश को देते हैं नई दिशा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्राचीन काल से ही हम व्यापार-व्यवसाय की भरपूर समझ रखते हैं, क्योंकि पुरुषार्थ, उद्यमिता, नवाचार और व्यापार हम भारतीयों के संस्कारों में ही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश नए-नए अवसरों का प्रदेश है। युवा ही देश को नई सोच और नई दिशा की ओर ले जाते हैं। इनके नवाचार ही विकास का आधार बनते हैं। इसलिए नवाचारों को प्रोत्साहन देना, हमने हमारा संकल्प निहित किया है। भारत में 6 करोड़ से अधिक एमएसएमई है, जो देश की जीडीपी में 30 प्रतिशत से अधिक योगदान देते हैं। कुल निर्यात में एमएसएमई की हिस्सेदारी 45 प्रतिशत तक है।

मुख्यमंत्री के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स - कृपया फॉलो करें.

> मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि युवा साथियों के स्टार्ट-अप के प्रोत्साहन के लिए यह 2 दिवसीय आयोजन अद्भुत है। अपनी क्षमता और योग्यता के बल पर भारत ने आज नया मुकाम हासिल किया है। इसमें सभी कुशाग्र बुद्धि वाले युवाओं का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि देश के महान वैज्ञानिक डॉ. जगदीश चंद्र बोस ने सबसे पहले दुनिया को बताया कि पौधों में प्राण होते हैं। उन्होंने कैस्ट्रोग्राफी के माध्यम से पौधों जीवन से जुड़े कई रहस्यों से पर्दा उठाया था। वैज्ञानिक डॉ. बोस वर्ष 1895 में कलकत्ता में तरंगों की खोज का डेमोस्ट्रेशन किया था। इसके बाद मार्कोनी को इसी खोज के लिए नोबेल पुरस्कार मिला, यद्यपि यह खोज डॉ. बोस ने ही की थी। अंतर सिर्फ इतना था कि उनके स्टार्ट-अप को हमारे लोगों ने पहचान नहीं दिलाई। उनके कार्य को दो-दो वैज्ञानिकों ने अनुसरण किया। लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में देशभर में सभी तरह के स्टार्ट-अप और रिसर्च को प्रोत्साहन मिल रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में स्टार्ट-अप का योगदान अतुलनीय है। भारत, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप इको-सिस्टम बन चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज हमारा देश, दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के सबके सहयोग से भारत जल्द ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रवीन्द्र भवन में आयोजित 2 दिवसीय मध्यप्रदेश स्टार्ट-अप समिट-2026 को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समिट के दौरान 156 स्टार्ट-अप को 2.5 करोड़ रुपए से अधिक की प्रोत्साहन राशि तथा मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में 21 स्टार्ट-अप को 8.17 करोड़ रुपए से अधिक की ऋण राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न सफल और विकासशील स्टार्ट-अप के फाउंडर्स और इंक्यूबेटर्स को सम्मानित किया। समिट में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के साथ फेडरेशन ऑफ इंडिया एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशन के साथ पंचवर्षीय एमओयू सहित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, कार्वी स्टार्ट-अप लैब्स और स्टार्ट-अप मिडिल ईस्ट के बीच समझौता ज्ञापन भी हस्ताक्षरित किये गये।

मुख्यमंत्री का सम्बोधन सुनने के लिए स्कैन करें.

युवाओं के सपने साकार करते हुए बढ़ेगा प्रदेश : सीएम

> मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रोजगारपरक कार्यों से समाज को जोड़कर युवाओं के सपने साकार करते हुए हमारा प्रदेश आगे बढ़े, यही हमारा संकल्प है। रोजगार और मेहनत से युवा अपना जीवन सुधारें, देश सवारें, इस उद्देश्य से युवाओं की मदद करना हमारा लक्ष्य है। युवाओं को स्टार्ट-अप नीति और अन्य योजनाओं के माध्यम से मदद की जा रही है। प्रदेश के युवाओं को क्षेत्रीय स्तर पर ही राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिये प्रदेश के विभिन्न अंचलों में रोजगार मेले आयोजित किये जा रहे हैं। ये मेले प्रदेश के युवाओं को रोजगार के समुचित अवसर दिलाने में मील का पत्थर साबित होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजगढ़ में आयोजित युवा संगम रोजगार मेला-2026 को रवीन्द्र भवन भोपाल से वर्चुअली संबोधित किया। कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप साथ थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवा संगम रोजगार मेले में 150 से अधिक कंपनियों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इनमें फाइनेंस, सेल्स, मार्केटिंग, हेल्थ केयर, मैन्युफैक्चरिंग, आईटी, सॉफ्टवेयर, डिजिटल मार्केटिंग, क्वालिटी मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। प्रदेश के महाविद्यालयों, आईटीआई और पॉलीटेक्निक कॉलेजों में, कंपनियों की अपेक्षाओं के अनुसार युवाओं को दक्षता और क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इससे रोजगार मेले में अधिक से अधिक युवाओं का चयन संभव हो रहा है। कंपनियों द्वारा 16 हजार से अधिक पदों पर युवाओं को रोजगार देने के लिए सहमति प्रदान की गई है। कंपनियों द्वारा 3 हजार से अधिक पदों पर महिला उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिए भी सहमति दी गई है। मेले में शामिल 8 कंपनियां दिव्यांगजन को भी रोजगार प्रदान कर रही हैं। रोजगार मेले में भाग ले रही कंपनियों द्वारा देश के साथ-साथ विदेश में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध करायें जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दिव्यांगजनों को रोजगार उपलब्ध कराना पुण्य का कार्य है। परमात्मा की सेवा के समान है। रोजगार, जीवन में नई शुरुआत का अवसर प्रदान करता है।

CMMadhyaPradesh

इम्पैक्ट फीचर/डी-16147/25

एआई से जुड़े युवा उद्यमियों की राय

हमने हाल ही में AWNI.AI को लॉन्च किया है। हम एक भोपाल-आधारित स्टार्टअप हैं, और सरकार द्वारा किए जा रहे ऐसे प्रयास हमारे लिए नए अवसरों और नए रास्तों के द्वार खोलते हैं।

सुश्री खुशी पटैल

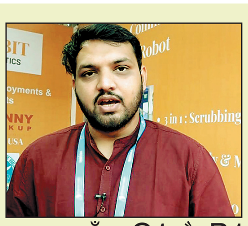

आज हम यहाँ हम C1 और B1 रोबोट्स को लॉन्च करने आए हैं। C1 रोबोट एक कमर्शियल क्लीनिंग रोबोट है, जो केवल 1 घंटे में 10,000 वर्गफुट क्षेत्र की सफाई करने में सक्षम है। B1 रोबोट एक ऑटोनॉमस लॉजिस्टिक्स रोबोट है, जिसकी पेलोड क्षमता 500 किलोग्राम है। आज हम इन दोनों रोबोट्स को AI कॉन्फ्रेंस में व्यावसायिक रूप से लॉन्च कर रहे हैं।

फैबिट रोबोटिक्स
इंदौर

MPSEDC ने आज हमें यहाँ स्थान प्रदान किया है। भविष्य में हम MPSEDC के अन्य प्रोजेक्ट्स में भी कार्य करने वाले हैं। हमें आज ही यहाँ बोरवेल से संबंधित प्रोजेक्ट पर काम करने की सहमति मिली है और इस आयोजन के माध्यम से हमें रोबोटिक्स और एआई (AI) से संबंधित कार्य भी निरंतर मिलते रहेंगे।

श्रीमती खुशबू
Youngovator Education Pvt. Ltd.

हम एक ड्रोन निर्माता कंपनी हैं और हमारे उत्पादों की आपूर्ति सरकारी एवं निजी दोनों क्षेत्रों में की जा रही है। सीमा क्षेत्रों में हमारे ड्रोन की विशेष मांग है, और हमारी उच्च गुणवत्ता हमारी सबसे बड़ी पहचान है। AI इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हमें नए ग्राहकों से जुड़ने का अवसर मिला, साथ ही नई सीख और उद्योग से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी प्राप्त हुईं। इसके लिए हम आभार व्यक्त करते हैं।

साद
IZI कंपनी

हमारा डिजिटल क्रॉप सर्वे प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत हम हर खेत पर जाकर जियो-फेंसिंग के माध्यम से फोटो की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हैं, ताकि कोई भी गलत गिरदावरी न कर सके। फसल सर्वेक्षण के दौरान संबंधित यूज़र को खेत पर जाना होता है और हम यह सुनिश्चित करते हैं कि फोटो और डेटा मल्टीपल चैनलों के माध्यम से सत्यापित (मैच) हों।

ब्रजेश नामदेव
राजस्व निरीक्षक
राजस्व विभाग

नवाचार को बढ़ावा देते हुए विभाग द्वारा आधार-आधारित बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम भी लॉन्च किया गया है, जिससे कर्मचारियों की कार्यक्षमता में वृद्धि हो.कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में नागरिक सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाने के लिए चैटबॉट विकसित किया गया है, जिससे सेवाओं की सुलभता और नागरिक संतुष्टि में वृद्धि हो सके।

अजय कुमार गोयल
सहायक संचालक
नगरीय प्रशासन (आईटी प्रभार)

हम आज यहाँ Machine Avatars को प्रदर्शित कर रहे हैं, यह एक डिजिटल ह्यूमन AI ChatBot है और जिसके माध्यम से आप 5 मिनिट में खुद का ChatBot बना सकते हैं. हमने शासन की योजनाओं के लिए 14 ChatBot निर्मित किये हैं 10 मिनिट में, आप इनके माध्यम से शासन की योजनाओं की जानकारी इत्यादि ले सकते हैं।

कुनाल तोमर
Machine Avatars

कृषि विभाग कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और मशीन लर्निंग (ML) के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। हमारा मानना है कि कृषि क्षेत्र में अगली क्रांति तकनीक आधारित होगी। वर्तमान में जो प्रस्तुतिकरण किया जा रहा है, उसमें प्रीसीजन फार्मिंग को कृषि का अगला महत्वपूर्ण कदम माना गया है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जहाँ कृषि विभाग द्वारा AI और ML आधारित प्रणाली पर कार्य किया जा रहा है।

कमल जैन, कृषि विभाग